Downloaded From: http://www.cbseportal.com

उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2015
अंक योजना हिन्दी 'ऐच्छिक'
कक्षा – XII

कूटबंध – 29/1/1
29/1/2
29/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
1.	1.	2.	1.	**अपठित गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर–**	**15**
	क	क	क	शीर्षक : 1) न्यायपालिका की गुणवत्ता। 2) न्यायपालिका का उत्तरदायित्व। (अन्य उपयुक्त शीर्षक भी स्वीकारें।)	1
	ख	ख	ख	• व्यक्ति द्वारा स्वयं के लिए नियम–निर्धारण करना। • मर्यादाओं की उपेक्षा, सामान्य नियम, कानून का पालन नहीं करना महत्वपूर्ण।	1+1=2
	ग	ग	ग	• उनकी धारणा है कि वे सामाजिक व्यवस्था से ऊँची हैसियत वाले लोग हैं।	1
	घ	घ	घ	• जजों एवं महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों को, क्योंकि वे कानून के रक्षक हैं और कानून का पालन करने एवं करवाने की जिम्मेदारी उनकी है।	1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ङ	ङ	ङ	• उन्हें न्यायपालिका में काम–काज की परिस्थितियाँ पसन्द नहीं। • आकर्षक आमदनी का नहीं होना।	1+1=2
	च	च	च	• अच्छे स्तर के जज और वकील प्राप्त हो सकें।	1
	छ	छ	छ	• अधिक धनोपार्जन का अवसर और कामकाज की स्वैच्छिक परिस्थितियाँ।	1
	ज	ज	ज	• जजों की चुनाव प्रक्रिया में सुधार, • कामकाज की परिस्थितियों में परिवर्तन, आकर्षक वेतन की सुविधा।	1+1=2
	झ	झ	झ	न्यायपालिका में भी महिलाओं के प्रति दुर्व्यवहार और कानून पालन में उपेक्षा के उदाहरण।	1
	ञ	ञ	ञ	उपसर्ग – स ½ प्रत्यय – आव ½	1
2.	2.	1.	2.	**अपठित काव्यांश–**	**1x5=5**
	क	क	क	• समुद्र की लहरों से। • कठिनाइयों से टकराने के कारण।	½+½=1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ख	ख	ख	• विपरीत परिस्थितियों में भी संघर्ष करना, अचल खड़े रहना।	1
	ग	ग	ग	• विफल होने पर भी हतोत्साहित न होना, साहस और धैर्य से बाधाओं का सामना करना।	1
	घ	घ	घ	• दृढ़ता, अचलता, विपरीत परिस्थितियों से जूझने की अदम्य शक्ति, सहनशीलता।	1
	ङ	ङ	ङ	• युवावर्ग को महत्वाकांक्षी, साहसी, दृढ़ संकल्पी तथा किसी भी स्थिति में विचलित न होने वाला बताया गया है।	1
				खंड – 'ख'	
3.	3.	3.	3.	**किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित :** • भूमिका / उपसंहार 1+1 • विषय–वस्तु एवं प्रतिपादन 6 (चार बिंदुओं का प्रतिपादन) • प्रस्तुति शैली 1 • विषयानुरूप शुद्ध भाषा 1	**10**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
4.	4.	4.	4.	पत्र–लेखन : • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 • प्रश्नानुसार विषय–वस्तु 3 • विषयानुरूप भाषा 1	**5**
5.	5.	5.	5.	प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर–	**1x5=5**
	क	क	क	• सूचना देना। • विचार–विश्लेषण करना। • शिक्षित करना। • मनोरंजन करना। • एजेंडा तय करना। • निगरानी करना आदि। (कोई दो अपेक्षित)	½+½=1
	ख	ख	ख	• वैश्विक सूचनाओं का त्वरित गति से आदान–प्रदान। • समाचारों का संकलन, खबरों का सत्यापन एवं पुष्टि करना। • शोध कार्य को सरल करना। • खबरों की पृष्ठभूमि तैयार करना। (कोई दो अपेक्षित)	½+½=1
	ग	ग	ग	• अधिकांश लोगों की रुचि वाली ताजी घटना। • ऐसी घटना है जिसका प्रभाव अधिक से अधिक लोगों पर पड़ता है।	½+½=1

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	घ ङ	घ ङ	घ ङ	• खबर कब, कहाँ, क्या और कैसे हुई – इसका ज्ञान कराने वाला। • खबर के दृश्य आने तक रिपोर्टर से मिली सूचनाएँ देते रहने वाला। • उल्टा पिरामिड शैली में समाचार की सबसे महत्वपूर्ण तथ्य परक प्रस्तुति, फिर घटते महत्व क्रम में अन्य तथ्य एवं सूचनाएँ देना।	½+½=1 1
6.	6.	6.	6.	**आलेख अथवा फीचर–लेखन :** • आकर्षक प्रस्तुति 2 • विषय वस्तु 2 • भाषायी शुद्धता 1 मुक्त उत्तर : मौलिकता और विचारों की तर्क संगति अपेक्षित।	**5**
				खंड 'ग'	
7.	7.	8.	7.	**काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या–** प्रसंग 1 संदर्भ 1 व्याख्या 5	**8**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				विशेष 1 **तुमने कभी .....की तरफ।** कवि – केदारनाथ सिंह कविता – बनारस संदर्भ – वसंत ऋतु के प्रभाव का वर्णन अर्थात् सुख–समृद्धि और सम्पन्नता का आगमन। व्याख्या बिंदु – • भिखारियों के खाली कटोरों का दान–दक्षिणा, अन्न–धन से भर जाना। • घाटों पर श्रद्धालुओं, भक्तों की भीड़ का हर्षोल्लास भक्तिभाव। • शवों को अंतिम संस्कार हेतु गंगा तट पर लाना। • उन शवों को जीवन भार से मुक्त करने के दायित्व का निर्वहन। विशेष – • काव्यांश में कहीं प्रसन्नता एवं कहीं दुख की अनुभूति।	1X5=5
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** जननी ..... मैया।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
8.	8. क	–	–	कवि – तुलसीदास कविता – 'पद' गीतावली से। प्रसंग – राम वन–गमन के बाद कौशल्या द्वारा राम की प्रिय वस्तुओं को देख कर स्मृति जन्य वेदना। व्याख्या बिंदु– • श्रीराम के छोटे–छोटे धनुष बाण और जूतों को देखकर हृदय से लगाना। • राम की अनुपस्थिति का आभास न होना। • द्वार पर मित्रों और अनुज के खड़े होने का समाचार देकर उन्हें जगाना। • दशरथ के पास राम को जाने का आग्रह करना। • रुचि के अनुसार भोजन ग्रहण का आग्रह। विशेष– • माता के मन की पीड़ा का मार्मिक चित्रण। • ब्रज भाषा का सहज एवं सुंदर प्रयोग। • जादू जगावति – अनुप्रास **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित –** • एक बूँद जीवात्मा का प्रतीक एवं समुद्र विराट का प्रतीक।	**3+3**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				• बूँद विराट से निकलकर अंततः विराट में विलीन हो गई। • विलीनता में उसका अस्तित्व समाप्त, क्षणभर का जीवन जीना, उछलना, चमकना आदि दर्शाया गया है।	
	ख	–	–	• मातृविहीन सरोज का शैशवावस्था से विवाह योग्य होने तक ननिहाल में पालन–पोषण होना। • सामान्य से विवाह के अवसर पर भी ननिहाल के लोगों की ही उपस्थिति थी और अंत भी उन्हीं की गोद में होना।	
	ग	–	–	• पीले पत्तों के समान नागमती के शरीर का कृशकाय हो जाना। • जोड़ों का परस्पर होली खेलना देखकर पति के हृदय लगने की अभिलाषा। • शरीर को विरहाग्नि में जलाकर राख कर उस मार्ग पर बिछा देने की कामना जिस पर पति के पाँव पड़ें।	
	–	7. क	–	• सत्य के महत्व को दर्शाने हेतु महाभारत के पात्रों को चुना है। • अतीत के कथा के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि सत्य की पहचान	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				बहुत कठिन कार्य है, सत्य स्थिर नहीं है। • सत्य के प्रति संशयात्मक स्थिति बनी हुई है अर्थात् समय, स्थिति और व्यक्ति के अनुसार परिवर्तित होते रहना।	
	–	ख	–	• पौष मास में विरहिणी नागमती की शारीरिक व मानसिक स्थिति का चित्रण है। • नागमती की विरह वेदना की अभिव्यक्ति की गहनता का बाज के रूप में वर्णन – शरीर का कृशकाय होना, मानसिक संतुलन का बिगड़ना आदि।	
	–	ग	–	• 'दीप' व्यष्टि का प्रतीक 'पंक्ति' समष्टि का प्रतीक। • दीप में स्नेह (तेल) का भरा होना और उसकी लौ का ऊपर जाना, गर्व का परिचायक, दीप का इधर–उधर प्रकाश देकर झांकना, मदमातापन।	
	–	–	8. क	• वर्तमान में पूंजीवादी सामाजिक व्यवस्था के विषाक्त वातावरण में आस्था, विश्वास एवं जीवन लालसा आदि का ह्रास होना।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	–	ख	• शोषितों का जीवन–यापन कठिन। • बंधुवर्मा और परिवार के सदस्यों की क्रमशः मृत्यु से देवसेना के हृदय का अवसाद। • भाई के स्वप्नों को पूर्ण करने की अतृप्त कामना, स्कंन्दगुप्त द्वारा उपेक्षित होना आदि।	
	–	–	ग	• नागमती की विरह वेदना की मर्मस्पर्शी अभिव्यक्ति। • रत्नसेन के वियोग में नागमती की शारीरिक स्थिति की अभिव्यक्ति। • विरह–ज्वाला की धूम अग्नि से भंवरा और काग का काला हो जाना।	
9.	9. क	9. क	9. क	**काव्यांशों का काव्य सौंदर्य** भाव सौंदर्य– • हनुमान की वीरता और कुशलता तथा रावण की विफलता का बखान। • पूँछ में लगाई आग से लंका का जलना, • वीर रस का संचार है। शिल्प सौंदर्य– • ब्रज भाषा का सहज प्रयोग। • सवैया छंद।	**3+3**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	ख	ख	ख	• अनुप्रास और यमक अलंकार का प्रयोग। भाव सौंदर्य– • प्रातःकालीन बासंती हवा का गुनगुनापन। • बासंती हवा का फिरकी की भाँति नृत्य करते हुए चला जाना। शिल्प सौंदर्य– • खड़ी बोली। • तद्भव एवं देशज शब्दों का प्रयोग। • मुक्त छंद। • मानवीकरण अलंकार।	
	ग	ग	ग	भाव सौंदर्य– • उषाकालीन प्राकृतिक सौंदर्य का सजीव वर्णन। • उषा रूपी नायिका का सूर्य–कलश से धरा को सुख सिंचित करना तथा रातभर ऊँघते तारों का धूमिल हो जाना। शिल्प सौंदर्य– • खड़ी बोली। • मुक्त छंद।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
10.	10.	11.	10.	• मानवीकरण अलंकार। • रूपक अलंकार का सुंदर चित्रण। **गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या –** प्रसंग – 1 संदर्भ – 1 व्याख्या – 4 **भारत की.....हो जाता है।** लेख – 'जहाँ कोई वापसी नहीं' लेखक – निर्मल वर्मा संदर्भ – निर्मल वर्मा के यात्रा वृत्तांत का अंश – औद्योगिकरण के दुष्परिणाम। व्याख्या बिंदु– • भारत का प्राकृतिक परिवेश। • धरती, जंगल, नदियों से जुड़ा हुआ न कि यूरोप की तरह म्यूज़ियम और संग्रहालय से। • भारतीयों का प्रकृति के माध्यम से। • मानव और संस्कृति के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध। • पश्चिम के अन्धानुकरण का विरोध और इसकी असफलता। विशेष – • भाषा सहज, सरल एवं बोधगम्य।	6

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	अथवा	अथवा	अथवा	• लेखक औद्योगिकरण के परिणामों पर विचार करता है। **अथवा** **न यहाँ.....ले रहा था।** लेख – 'दूसरा देवदास' लेखक – ममता कालिया संदर्भ – हरिद्वार के गंगा तट का वर्णन। व्याख्या बिंदु– • गंगा तट की भीड़ में मानव मात्र के कल्याण की भावना। • जाति, भाषा आदि का कोई भेद नहीं। विशेष– • भाषा सहज, सरल। • चित्रात्मक शैली में वर्णन।	
11.	11. क	–	–	**किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर अपेक्षित –** संवदिया की विशेषताएँ– • समाचार को इस प्रकार गोपनीय ढंग से ले जाना कि पक्षी भी उसका रहस्य न जान पाए। • प्रत्येक संवाद का प्रत्येक शब्द याद रखना। • संवाद देते एवं सुनते समय विश्वसनीयता, सहृदयता, संवेदनशील	**4+4**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				होना।	
	ख	–	–	• रामचंद्र शुक्ल का लिखने पढ़ने के काम में हिंदी के प्रयोग में प्रायः 'निःसंदेह' शब्द का अधिक प्रयोग। • आसपास वकील, मुख्तार, अफसर, कर्मचारी आदि व्यक्तियों का उर्दू शब्दों का प्रयोग। • उन्हें शुक्ल जी का हिंदी प्रयोग अनोखा लगने के कारण–लेखक मंडली का नाम 'निःसंदेह' पड़ना। • शुक्ल जी के लेखों में तत्सम शब्दावली के साथ उर्दू, फारसी, अंग्रेजी तथा मुहावरों के मिश्रित भाषा के प्रयोग से भाषा में प्रवाह, सजीवता एवं जीवंतता।	
	ग	–	–	• प्रजापति का अपनी रुचि के अनुसार विश्व को बदल देना। • लेखक का भी ब्रह्मा के सम होना। • लेखक, कवि का अपनी कल्पना (विचारों) से नए समाज की रचना करना। • कवि पुरोहित के रूप में जनता का नेतृत्व करना।	
	–	12 क	–	• लेखक का संग्रहालय हेतु कुछ न कुछ लेकर लौटने का भाव।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
	–	ख	–	• कौशांबी लौटते समय मिट्टी की मूर्तियाँ, सिक्के, मनके आदि लेकर लौटना। • रास्ते के छोटे गाँव से पत्थरों के ढेर, 20 सेर की चतुर्भुज शिव की मूर्ति उठाकर ले आना। नगरपालिका के संग्रहालय में शिव मूर्ति को रख देना। • धार्मिक स्थलों में प्रसाद तथा पूजा पाठ आदि की वस्तुओं के बेचने का प्रचलन। • जीविका, अर्थोपार्जन का माध्यम लेखक द्वारा इसे व्यापार की संज्ञा देना। • व्यापार की इस प्रवृत्ति पर लेखक का कटाक्ष। • धार्मिक स्थलों का व्यवस्था आदि के बारे में विद्यार्थियों के विचार भी स्वीकार्य।	
	–	ग	–	• साहित्य समाज का दर्पण है– तो संसार बदलने की बात न होती। • कवि / लेखक समाज का यथार्थ चित्रण करते तो वह प्रजापति नहीं माना जाता। • समाज के स्वरूप से असंतुष्ट होकर कवि अपनी रुचि के अनुसार नया	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				समाज बनाता है।	
	–	–	11 क	• विवशतापूर्ण जीवन जीने की ओर संकेत। • अनेक लोगों का जीवन निर्वहन हेतु अफसरों की चापलूसी करना। • कठिन परिस्थितियों से जूझना।	
	–	–	ख	• साहित्य से जुड़कर मानसिक शांति के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा। • नई उमंग, नए उत्साह से समाज की कुरीति, भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए तत्परता। • भविष्य के प्रति आशान्वित कर मार्ग दर्शन। • आत्मविश्वास तथा दृढ़ता प्राप्त कर उन्नति और विकास के लिए उत्साहित होना।	
	–	–	ग	• अराफात द्वारा लेखक और उसकी पत्नी को स्वयं फल छील–छील कर देना, शहद की चाय बनाकर दिया जाना। • गुसलखाने से हाथ धोकर लौटने पर अराफात का लेखक को तौलिया देना आदि।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
12.	12.	10.	12.	**<u>जीवन परिचय</u>** • संक्षिप्त जीवन परिचय 2 • रचनाएँ (दो का उल्लेख एवं रचनाओं का संक्षिप्त परिचय भी अपेक्षित) 2 • काव्यगत विशेषताएँ / भाषागत विशेषताएँ सोदाहरण 2 **<u>हजारी प्रसाद द्विवेदी</u>** जन्म एवं जीवन परिचय– • जन्म 1907 में आरत दुबे के छपरा गाँव, ज़िला बलिया, उत्तर प्रदेश में हुआ। • संस्कृत महाविद्यालय, काशी से शास्त्री परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद 1930 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय से ज्योतिषाचार्य की उपाधि प्राप्त की। • 1940–50 तक हिंदी भवन, शांति निकेतन के निदेशक रहे। • 1950 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष बने। • 1952–53 में काशी नागरी प्रचारिणी सभा के अध्यक्ष थे। • 1955 में वे प्रथम राजभाषा आयोग के	**6**

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				सदस्य राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किए गए। • 1960–67 तक पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ में हिंदी विभागाध्यक्ष रहे। • 1967 में काशी हिंदू विश्वविद्यालय में रेक्टर नियुक्त हुए। • जीवन के अंतिम दिनों में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के कार्यकारी अध्यक्ष रहे। • उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार, लखनऊ विश्वविद्यालय से डी. लिट. की उपाधि तथा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। • उन्हें अनेक भाषाओं – संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, बाँग्ला आदि तथा अनेक विषयों – इतिहास, दर्शन, संस्कृति, धर्म आदि का भी विशेष ज्ञान था। • वे परंपरा के साथ आधुनिक प्रगतिशील मूल्यों के समन्वय में विश्वास करते थे। रचनाएँ– 'अशोक के फूल', विचार और वितर्क', 'कल्पलता', 'कुटज', 'आलोक पर्व' (निबंध–संकलन), 'चारू चंद्रलेख', 'बाणभट्ट की आत्मकथा', 'पुनर्नवा', 'अनामदास का पोथा' (उपन्यास),	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				'सूर–साहित्य', 'कबीर', 'हिंदी साहित्य की भूमिका', 'कालिदास की लालित्य योजना' (आलोचनात्मक ग्रंथ), 'हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रंथावली' (ग्यारह खंड) साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा सरल और प्रांजल। • व्यक्तित्व–व्यंजकता और आत्मपरकता उनकी शैली की विशेषता है। • व्यंग्य शैली के प्रयोग ने उनके निबंधों पर पांडित्य के बोझ को हावी नहीं होने दिया है। • हिंदी की गद्य शैली को एक नया रूप दिया।	
	अथवा	अथवा	अथवा	**अथवा** **असगर वजाहत** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म फतेहपुर, उत्तर प्रदेश में। • प्रारंभिक शिक्षा फतेहपुर में हुई। उन्होंने एम.ए. (हिन्दी) और पीएच.डी., अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से की। • सन् 1955–56 से लेखन कार्य प्रारंभ किया।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				• लघु कथा, नाटक, उपन्यास, कहानी के साथ–साथ फिल्मों और धारावाहिकों के लिए पटकथा लेखन का काम भी किया। रचनाएँ– 'दिल्ली पहुँचना है', 'स्विमिंग पुल और सब कहाँ कुछ', 'आधी बानी', 'मैं हिंदू हूँ' (कहानी–संग्रह), 'फिरंगी लौट आए', 'इन्ना की आवाज' 'वीरगति', 'समिधा', 'जिस लाहौर नई देख्या तथा उनकी' (नाटक), 'सबसे सस्ता गोश्त' (नुक्कड़ नाटकों का संग्रह), 'रात में जागने वाले', 'पहर दोपहर' तथा 'सात आसमान', 'कैसी आगि लगाई' (प्रमुख उपन्यास) आदि। साहित्यिक विशेषताएँ– • भाषा में गाम्भीर्य, सबल भावाभिव्यक्ति एवं व्यंग्यात्मकता है। • मुहावरों तथा तद्भव शब्दों के प्रयोग से सादगी आ गई है। • उनकी लघुकथाओं में प्रतीकात्मकता है। प्रतीकों के द्वारा उन्होंने व्यवस्था, मजदूरों के शोषण, किसानों की दुर्दशा आदि पर व्यंग्य किया है। पर्याप्त मात्रा में तत्सम व उर्दू शब्दों का प्रयोग भी मिलता है।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29/1/1	29/1/2	29/1/3		
				अथवा **<u>विष्णु खरे</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • जन्म छिंदवाड़ा। • क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी–साहित्य में एम.ए.। • इंदौर समाचार – उप सम्पादक। • दिल्ली तथा मध्य प्रदेश के महाविद्यालयों में अध्यापन, लघु पत्रिका 'व्यास' का संपादन, साहित्य अकादमी में उप सचिव, नवभारत टाइम्स में कार्यकारी सम्पादक। • नवभारत टाइम्स, जयपुर के संपादक, जवाहरलाल नेहरू स्मारक संग्रहालय तथा पुस्तकालय–दो वर्ष वरिष्ठ अध्येता, स्वतंत्र लेखन, अनुवादक । रचनाएँ – टी.एस. इलियट का अनुवाद–'मेरू प्रदेश और अन्य कविताएँ', कविता संग्रह – 'एक गैर–रुमानी समय में', 'खुद अपनी आँख से', 'सबकी आवाज के पर्दे में', 'पिछला बाकी', समीक्षा	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				पुस्तक–'आलोचना की पहली किताब'। काव्यगत विशेषताएँ– • अभ्यस्त जड़ताओं और अमानवीय स्थितियों के विरुद्ध सशक्त नैतिक स्वर की अभिव्यक्ति। • भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों के उल्लेख द्वारा पौराणिक संदर्भों को प्रतिपादित करना। • मानव कल्याण की भावना। **अथवा** **<u>घनानंद</u>** जन्म एवं जीवन परिचय – • रीतिकाल के प्रसिद्ध कवि और दिल्ली के बादशाह मुहम्मदशाह के मीर मुंशी। • सुजान नामक स्त्री से अटूट प्रेम, दरबार से निकलने के बाद वृंदावन में निंबार्क संप्रदाय में दीक्षित हो कर भक्त के रूप में जीवन–निर्वाह। • सुजान के नाम का प्रतीकात्मक प्रयोग करते हुए काव्य–रचना करते रहे। रचनाएँ – 'सुजान सागर','विरह लीला',	5+5

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
				'कृपाकंड निबंध', 'रसकेलिवल्ली' आदि। काव्यगत विशेषताएँ – • प्रेम की पीड़ा के कवि, वियोग वर्णन–प्रेम का गंभीर, निर्मल और व्याकुल कर देने वाला उदात्त रुप, साक्षात रसमूर्ति कहलाए। • परिष्कृत और साहित्यिक ब्रज भाषा, कविता में लाक्षणिकता, वक्रोक्ति, वाक्विदग्धता के साथ अलंकारों का कुशल प्रयोग।	**5**
13.	13.	13.	13.	**मूल्यपरक प्रश्न : किसी एक का उत्तर अपेक्षित–** • सूरदास की सकारात्मक प्रवृत्ति। • झोंपड़ी जलाए जाने पर भी प्रतिशोध न लेना। • पुनर्निर्माण में विश्वास। • क्षमा, परोपकारिता तथा अन्य मानवीय मूल्य। • सूरदास के व्यक्तित्व में धैर्य, सहृदयता, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास, आशावादिता। **अथवा** भूपसिंह के व्यक्तित्व में प्राप्त जीवन मूल्य– • कठोर परिश्रम। • कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करते	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	29 / 1 / 1	29 / 1 / 2	29 / 1 / 3		
14.	14.	14.	14.	रहने की भावना। • स्वाभिमान एवं खुद्दारी। • संतोषप्रिय। • पशुओं के प्रति आत्मीयता। **केवल दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित–**	**5+5=10**
	क	क	क	• औद्योगिक विकास के कारण पर्यावरण और मनुष्य के संबंध में कमी, नदियों में जलाभाव। • मनुष्यों द्वारा पानी गंदा करना, कूड़ा–कचरा नदियों में बहाना। • उद्योग धंधों की निरंतर वृद्धि धार्मिक आस्था का अभाव। • बढ़ती जनसंख्या के कारण अपेक्षित जलापूर्ति का अभाव।	
	ख	ख	ख	• विषम परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखना। • अपराधियों से भी प्रतिशोध न लेना अपितु क्षमाशील होना। • पुनः निर्माण में विश्वास।	
	ग	ग	ग	लेखक का बिस्कोहर से आत्मिक संबंध– • बिस्कोहर की फसलों, वनस्पतियों की गंध का उल्लेख। • ग्राम्य जीवन– नदी, नाले, पोखर, फूल, फल आदि का यथार्थ चित्रण।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com